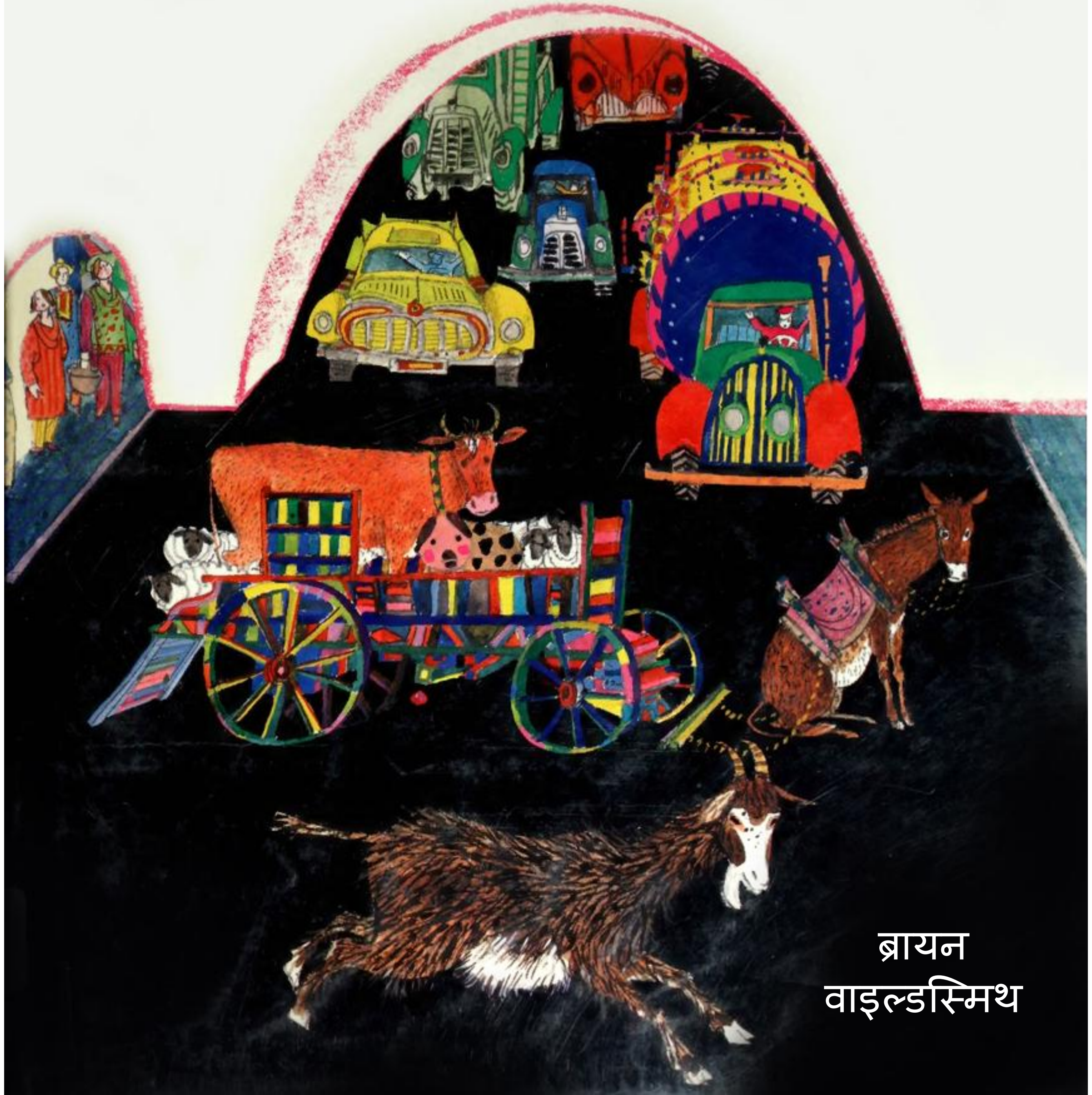
बकरी के रास्ते में

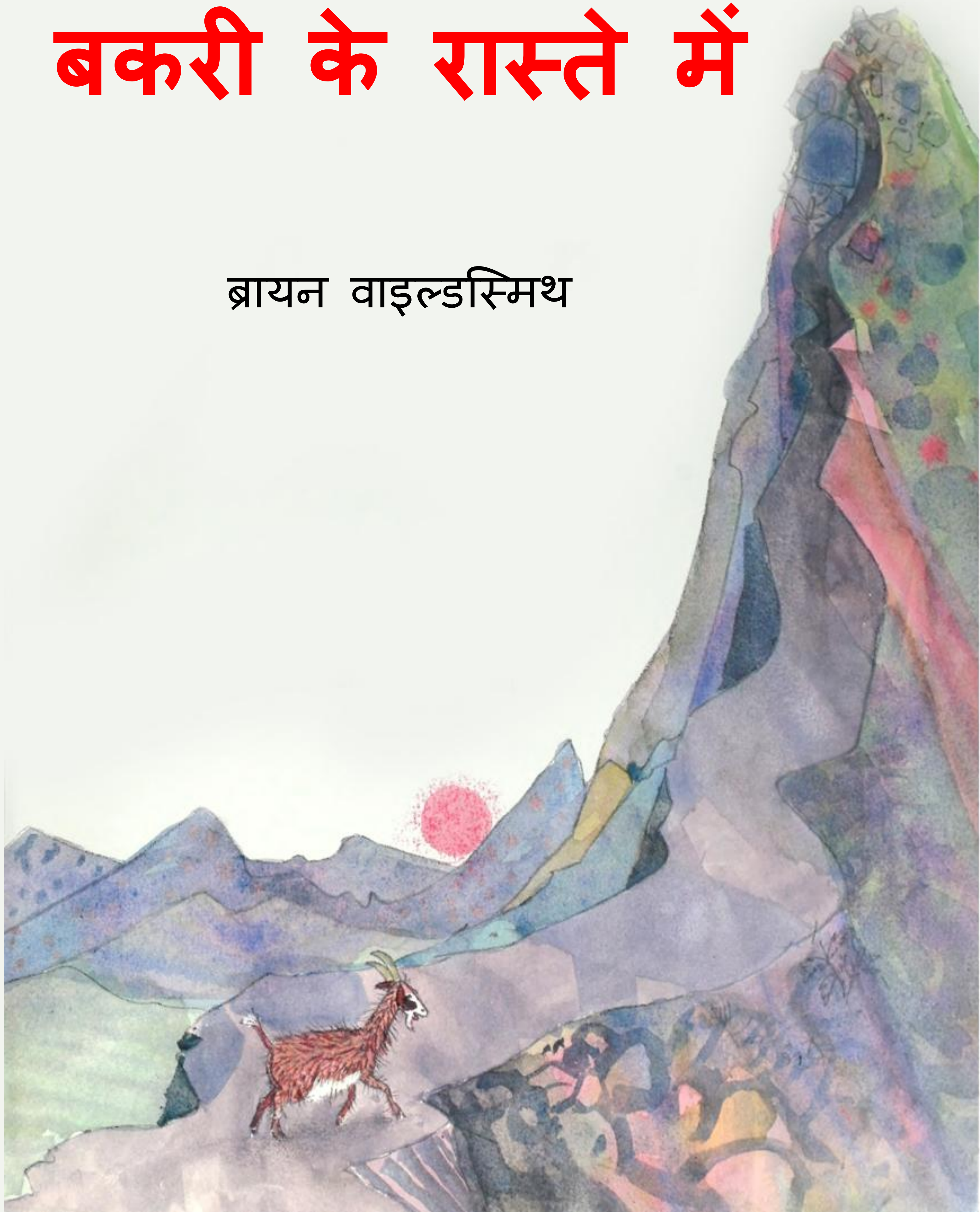


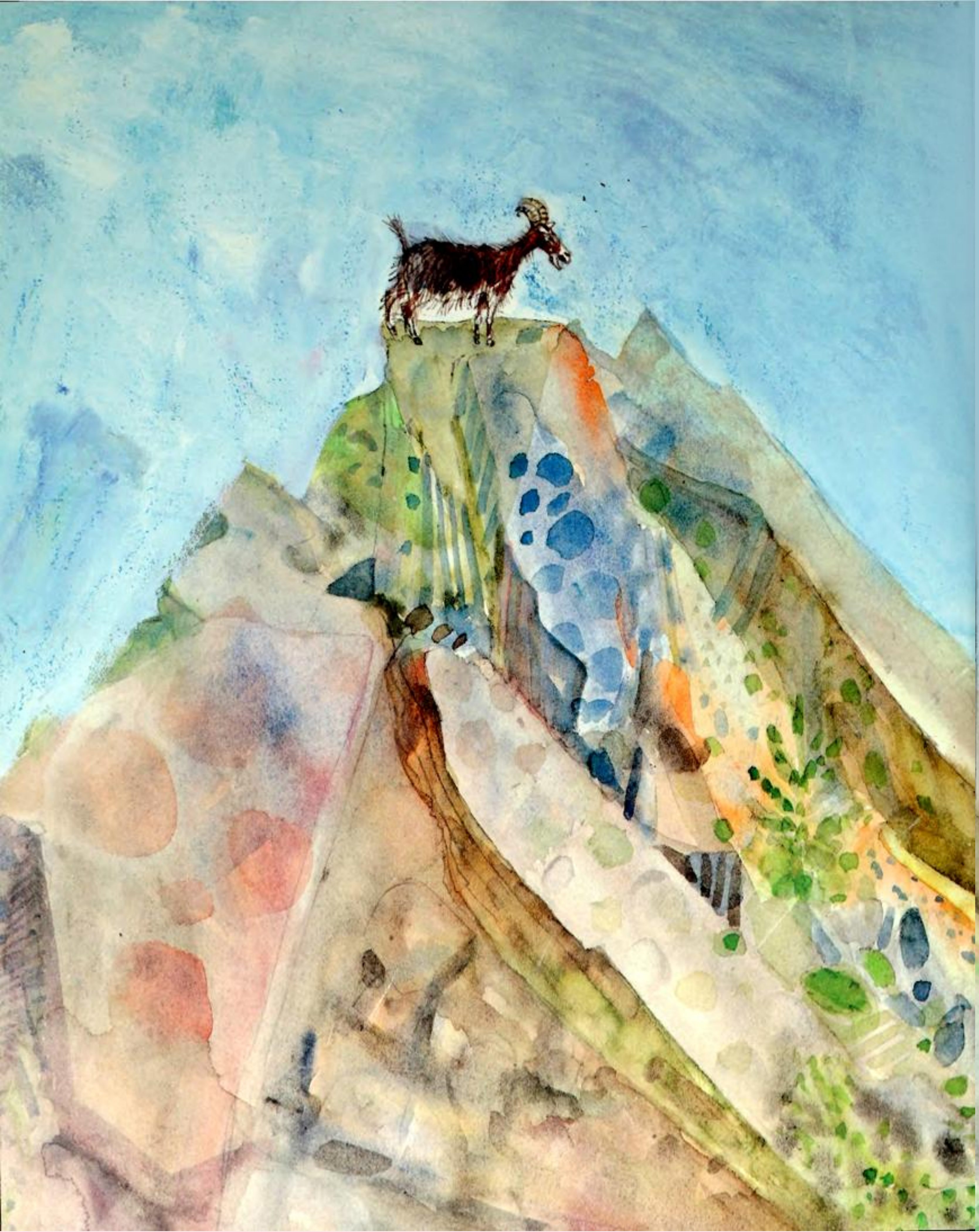
ब्रायन
वाइल्डस्मिथ

जब ब्रायन वाइल्डस्मिथ पहाड़ी से एक अकेली बकरी को नीचे लाए और उन्होंने उसे शहर में छोड़ा, तो फिर एकदम रोमांच का माहौल बन गया. खासतौर पर तब जब बकरी ने सभी बंदी जानवरों को मुक्त करवाया और उन्हें अपने साथ आने के लिए आमंत्रित किया. मस्ती को और बढ़ाने के लिए, वाइल्डस्मिथ ने पूरी किताब में कट-आउट खिड़कियां और दरवाजे लगाए हैं ताकि बच्चे देख सकें कि शहर में बकरी के साथ-साथ आने वाले दोनों दिशाओं में और क्या-क्या आ रहा है.

बकरी के रास्ते में

ब्रायन वाइल्डस्मिथ





एक बार एक जंगली बकरी थी जो पहाड़ों में बहुत ऊपर रहती थी.

"बादलों के इतने पास रहना अच्छा है," उसने सोचा.

"लेकिन मुझे वहां काफी अकेलापन महसूस होता है.

मुझे सिर्फ मधुमक्खियों की भिनभिनाहट और हवा की सरसराहट ही सुनाई देती है."

एक दिन हवा घाटी में शहर से नई आवाज़ें लेकर आई.

डिंग-डोंग. हॉक, हॉक. वूम, वूम.

उम्प-पा-पा.

"वह एक रोमांचक जगह होगी," बकरी ने कहा.

"मुझे इन आवाज़ों की जाँच करनी चाहिए." और फिर वो चल दी.



पहाड़ के नीचे बकरी को कुछ भेड़ें मिलीं.

"मैं शहर जा रही हूँ," उसने भेड़ों से कहा. "तुम मेरे साथ क्यों नहीं आतीं?"

भेड़ों ने अपने चरवाहे की ओर देखा, जो गहरी नींद में सोया था.

"बा, बा," उन्होंने कहा.

फिर भेड़ें, बकरी के साथ-साथ चल दीं.





भेड़ें बकरी के पीछे-पीछे शहर गईं.

"सुनो," बकरी ने कहा. फिर भेड़ों ने सभी अद्भुत आवाज़ें सुनने के लिए अपने कान खड़े किए.



डिंग-डोंग. हॉक, हॉक. वूम, वूम.

उम्प-पा-पा.

बकरी ने एक नई आवाज़ सुनी.

"वह क्या थी?"



दीवार से एक गाय बंधी हुई थी.

"बेचारी गाय," बकरी ने कहा.

"मैं तुम्हें आज़ाद कर दूँगी ताकि तुम हमारे साथ आ सको."

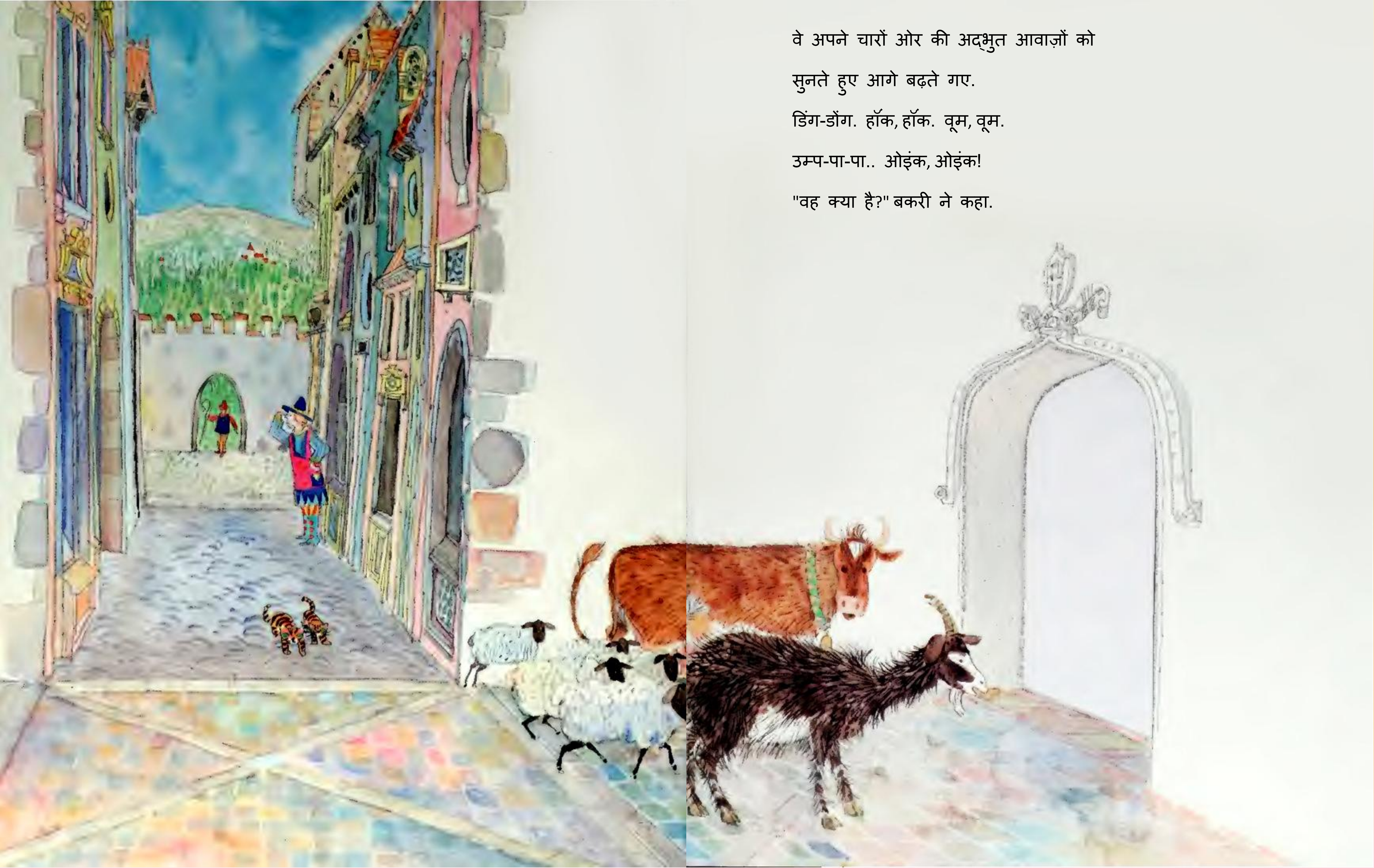
"मू, मू!" गाय ने कहा.

"बा, बा!" भेड़ों ने कहा.

"मेरे पीछे आओ," बकरी ने कहा.



वे अपने चारों ओर की अद्‌भुत आवाज़ों को
सुनते हुए आगे बढ़ते गए.
डिंग-डोंग. हॉक, हॉक. वूम, वूम.
उम्प-पा-पा.. ओइंक, ओइंक!
"वह क्या है?" बकरी ने कहा.



एक गाड़ी से एक सुअर बंधा हुआ था.

"बेचारा सुअर," बकरी ने कहा.

"मैं तुम्हें आज़ाद कर दूँगी ताकि तुम हमारे साथ चल सको."

"ओइंक, ओइंक!" सुअर ने कहा.

"मू, मू!" गाय ने कहा.

"बा, बा!" भेड़ों ने कहा.

"मेरे पीछे आओ," बकरी ने कहा.



वे शहर की अद्भुत आवाज़ों को सुनते हुए आगे बढ़ते गए.

डिंग-डोंग. होंक, होंक. वूम, वूम.

उम्प-पा-पा...



ही-हा!

"वह क्या है?" बकरी ने कहा.



एक गधा गाड़ी से बंधा हुआ खड़ा था.

"बेचारा गधा," बकरी ने कहा. "मैं तुम्हें आज़ाद कर दूँगी.

फिर क्या तुम हमें सवारी दोगे?"

"ही-हा," गधे ने कहा.

वे सभी जानवर गाड़ी में चढ़ गए और चल दिए.



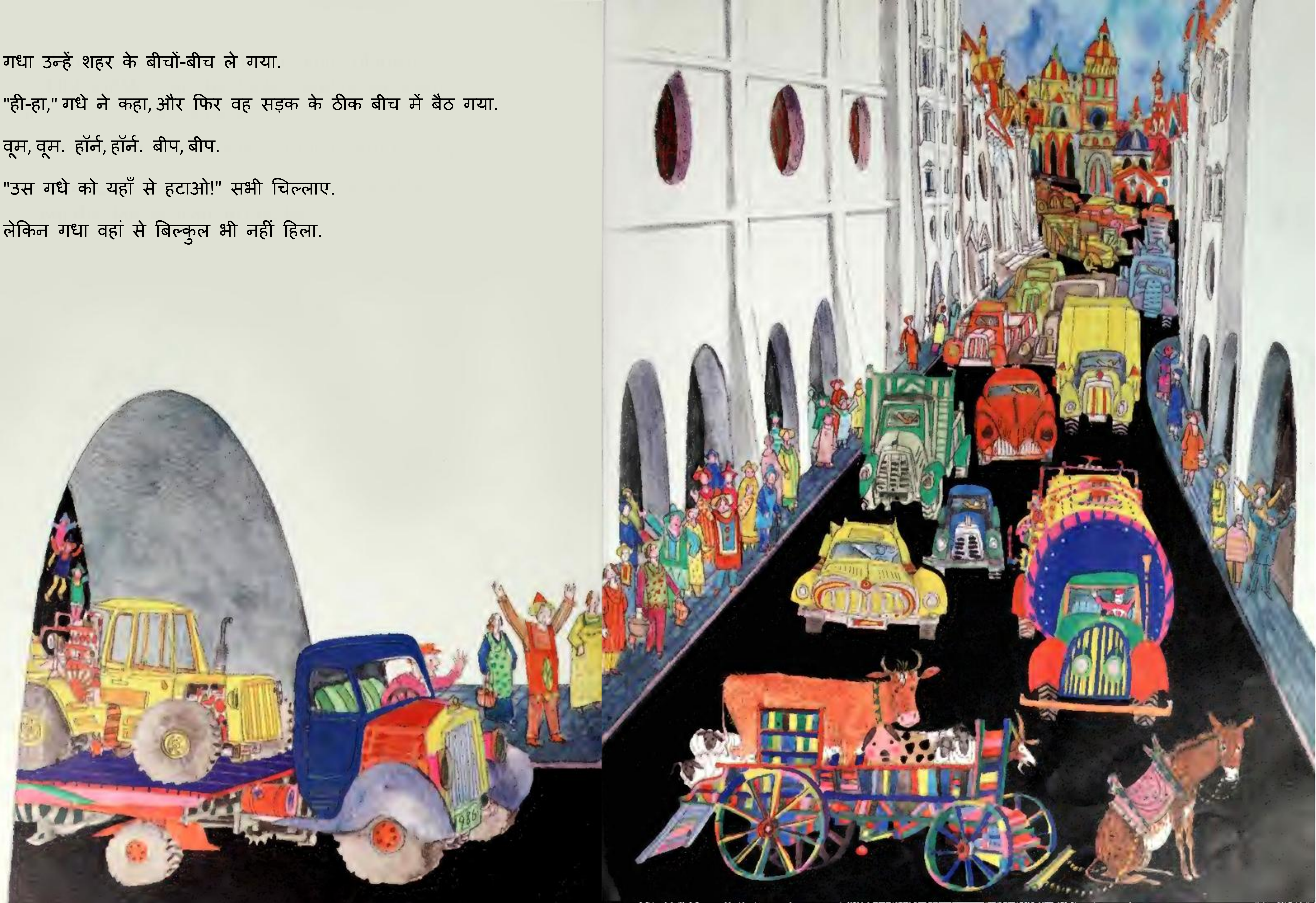
गधा उन्हें शहर के बीचों-बीच ले गया.

"ही-हा," गधे ने कहा, और फिर वह सड़क के ठीक बीच में बैठ गया.

वूम, वूम. हॉर्न, हॉर्न. बीप, बीप.

"उस गधे को यहाँ से हटाओ!" सभी चिल्लाए.

लेकिन गधा वहां से बिल्कुल भी नहीं हिला.





हवा में नई आवाज़ें भर गईं

बूम-डी-बूम. टा-रा, टा-रा. उंप-पा-पा, उंप-पा-पा.

"चलो जाँच करते हैं," बकरी ने कहा. "मेरे पीछे आओ."

बकरी, सुअर, गाय और भेड़ें सभी

गाड़ी से कूदकर सड़क पर भागे.



क्रैश, स्मैश, क्लैंग, बूम. "यहाँ से चले जाओ!"

सुअर ने कहा "ओइंक, ओइंक!"

"मू, मू!" गाय ने कहा

"बा, बा!" भेड़ों ने कहा.

"मेरे पीछे आओ," बकरी ने कहा.



वे सभी एक कॉन्सर्ट हॉल से बाहर

निकलकर सड़क पर भाग गए.

खुले दरवाजे से कुछ नई आवाज़ें आईं.

A..B...C...D...E...F...G...

"मेरे पीछे आओ," बकरी ने कहा.

"हुर्रे! हुर्रे! यिप्पी!" सभी बच्चे चिल्लाए.

"इसका क्या मतलब है?" शिक्षक ने पूछा.

"बकरी मेरी भेड़ ले गई," चरवाहे ने कहा.

"बकरी मेरी गाय ले गई," किसान ने कहा

"बकरी मेरा सुअर ले गई," सूअरपालक ने कहा.

"उस बकरी को रोको!" सभी चिल्लाए.

"मेरे पीछे आओ," बकरी ने कहा.





लेकिन इस बार, कोई भी बकरी के पीछे नहीं गया.

इस बार सभी जानवर अपने-अपने घर चले गए.



अंत



